

मुस्लिम ससुराल दे रहा हिन्दू दामाद को जान से मारने की धमकियाँ

मुस्लिम युवती से प्रेमविवाह के बाद बड़ी हिन्दू युवा की परेशानी



खालिफ़. एक मुस्लिम युवती से प्रेम विवाह करना एक हिन्दू युवक के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। मामला मुर्ना के सिविल लाइन्स थाना क्षेत्र का है जहाँ हिन्दू युवक नवीन शाबन और मुस्लिम युवती फरजाना ने लगभग 20 दिन पहले हिन्दू शिवाजी महाराजों से प्रेम विवाह कर लिया. दोनों ही एक दूसरे को 3 साल से जानते हैं व अब उन्होंने साथ रहने का फैसला किया. उन्होंने यह बात अपने परिवारों को भी बताई, पहले तो कोई परिवार झंझड़ लिए तैयार नहीं हुआ लेकिन काफी समझाने के बाद नवीन का परिवार फरजाना को स्वीकारने तैयार हो गया. इससे बौध्दालाए फरजाना के परिवार द्वारा नवीन को लगभग 20 दिनों से मारने की धमकियाँ दी जा रही हैं। इससे परेशान होकर नवीन और

भारतियों के मन में राष्ट्रियता का भाव जागृत करने वाले शिवाजी महाराज का जीवन सदैव सिखाता है

महिमा तारे-

छत्रपति शिवाजी महाराज को समझने के लिए उनके स्वराज, सुराज और रणनीतिक कौशल को समझना होगा और तभी हम उनके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ सकते हैं और कह सकते हैं शिवाजी यानी स्वराज शिवाजी, यानी सुराज शिवाजी, यानी एक कार्यशील। शिवाजीमहाराज ने स्वराज के माध्यम से हिंदुओं के सोए हुए स्वाभिमान को जागृत किया और उन्हें हिंदू होने पर गर्व करना सिखाया। उन्होंने स्वभाषा, स्वभूषण और स्व संस्कृति पर हिंदुओं को गर्व करना सिखाया।



हिन्दुओं की आत्मविश्मति को सबसे पहले शिवाजी ने ही जागृत किया। जिसकी प्रेरणा उन्हें अपनी मां जीजाबाई, पिता शाहजी व दादा कोडेव से प्राप्त हुई थी। स्वराज के माध्यम से ही उन्होंने हर एक भारतीय के मन में राष्ट्रियता का भाव जागृत किया। तभी तो विदेशी इतिहासकार ग्रांट टाफ लिखता है कि - शिवाजी द्वारा जीती हुई भूमि और संपत्ति को मुगलों पर विशेष प्रभाव नहीं हुआ किंतु उन्होंने महाएक के लोगों के मन में स्वराज की जो प्रेरणा जाड़ा वह मुगलों पर भारी पड़ी-। स्वराज की इसी भावना के साथ उन्होंने 400 वर्ष पहले आत्मनिर्भर भारत का सपना भी देखा था। इसका उदाहरण है जब अंग्रेजों से शिवाजी ने तोप खाने की विधि मांगी तो अंग्रेजों ने विधि बताने में आनाकानी

की। इस पर शिवाजी ने फ्रांस से समझौता कर पुंर्य के किले में तोपों का कारखाना लगवाया। इस तरह विदेशों से तोपे न मंगवाते हुए। पील और मिश्रित धातुओं से स्वदेश में ही उल्कृष्ट तोपों का निर्माण करवाया। वहीं स्वदेशी जल तोपों के निर्माण के लिए उन्होंने कल्पना और विभेदी में कारखाने लगवाए। राजकारण में स्व भाषा का प्रयोग हो इसके लिए उन्होंने कई फारसी शब्द का संस्कृत या मराठी में प्रयोग करना चालू किया। जैसे आदिल को न्यायाधीश कहना और लिखना शुरू किया। इसी तरह साहब की जगह स्वामी, पेशवा को प्रधान पेशेक 1400 शब्दों को बदलकर उनका संस्कृत या मराठी में उच्चारण चालू किया। उनका मानना था कि भाषा

सुरामन का आधार मानते थे। इस पर मुगल इतिहासकार लिखता है कि -शिवाजी कूप पर पानी भरने आई महिलाओं से वैसे ही संवाद करते थे जैसे हम अपने बगों के मात बहनों से करते हैं।- यहां पर दो उदाहरणों के माध्यम से हम शिवाजी के रणनीति कौशल और न्याय प्रियता को समझ सकते हैं। अफजल खान से भेंट से पूर्व शिवाजी ने सारी परिस्थितियों का आकलन किया। आवश्यक कार्य योजना बनाई और युद्ध के लिए प्रस्थान करने से पूर्व अपने सभी सहयोगी और विभिन्न भोजों पर दृष्टे हुए हर सैनिक तक यह बात पहुंचाई की गत रात्रि मा भवानी से शासन प्रमुख को फिन्ती दूरियां रखनी चाहिए। मंत्रियों और सहयोगियों से कैसा व्यवहार करना चाहिए। इसका विस्तृत वर्णन इन आडा पत्रों में किया गया है। वहीं शिवाजी ने संपूर्ण राज्य संचालन के लिए विन अधिकाधिक को नियुक्त किया। वे -अष्ट प्रधान- के नाम से जाने गए। इसी का परिणाम था कि शिवाजी की मृत्यु के बाद भी अजेय-जय दक्षिण पर विजय नहीं हुई कर पाया। 1680 में शिवाजी के जाने के बाद भी 27 वर्षों तक स्वराज को नहीं जीत पाया और सन 1707 में दक्षिण में ही उसकी मृत्यु हुई। इसका कारण था स्व संचालित और स्व निर्भरित कार्यपद्धति। शिवाजीमहाराज जनसंवाद को

मृत्यु थी। चुँकि खडेजी, काहोजी के रिश्तेदार थे। इसलिए उन्होंने शिवाजी से खडेजी को मृत्युदंड न देने की प्रार्थना की। शिवाजी ने तब तो अपने वरिष्ठ सहयोगी का मान रखा लिया और खडेजी को मृत्युदंड नहीं दिया। पर यह बेचैन रहे कि खडेजी को उन्होंने कोई सजा नहीं दी। पर कुछ दिनों बाद उन्होंने उसके बगार पर और दक्षिने हथ को कटवाने का आदेश दिया। इस पर काहोजी ने शिवाजी से प्रश्न किया कि आपने बचन भंग किया। इस पर शिवाजी का उत्तर था की यदि उन्होंने कोई सजा नहीं दी होती तो राज्य में यह सदेशा जाता कि देशोदर परिचय से बड़ है और यह स्वराज के लिए टैक नहीं था। आपने मृत्युदंड के लिए मना किया था। मैंने आपकी आज्ञा का पालन किया। शिवाजीमहाराज की इन्हीं विशेषताओं को लेकर स्वामी समर्थ ने अपनी कविता के माध्यम से शिवाजी को अनेक उपांग दी है। -श्यामवंत, कवीरविध्वन, चतुर्वन्त। पुरयवन्त, नीतिवन्त, जाणता राजा।-

प्रदेश में 17 से बारिश होने के आसार

भोपाल। अन्व समार में बृहत् बुधन विप्रर्जाव और राजस्थान के गर्म रहने की वजह से मध्यप्रदेश में भी गर्मी का असर है। यह प्रभाव अगले 3 दिन यानी 14, 15 और 16 जून तक रहेगा। 17 जून से प्रदेश में मौसम बदलेगा और गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की संभावना है। हालांकि, अगले तीन दिन तक प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश भी हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि लोकल सिस्टम की बारिश करेगा। 20 जून के बाद ही मानसून प्रदेश में एंटी करेगा।

सोनिबर मौसम वैज्ञानिक एचरस पांडे ने बताया कि रूकान ने सारी नमी खींच ली है। इस कारण प्रदेश में मौसम साफ है। सूख की धूप सीधे जमीन पर आ रही है। इससे तेज गर्मी है। दूसरी ओर राजस्थान भी गर्म है। इस कारण वहां से गर्म हवाएं मध्यप्रदेश में आ रही हैं और सीमा के जिलों में गर्मी का असर ज्यादा है। बुधवार को छतरपुर जिले के खजुराहो और नौवांव में लू जैसे हलाल बने रहे। अमे ट्रेपेजर चक्रों समझे ज्यादा है। अगले तीन दिन शहब तेज गर्मी पड़ने के आसार बने रहे हैं। रूकान पाकिस्तान के रास्ते राजस्थान में जाएगा। यहाँ पर 16-17 जून को बारिश होने के आसार हैं। इस कारण मध्यप्रदेश में भी मौसम बदलेगा। गर्म हवाएं उठी हवाओं में बदल जाएगी और गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। मध्यप्रदेश नौतप जैसा तप। रात नौतप में पारा 31.5 डिग्री तक पहुँच गया। रीवा-टीकमगाढ़ में 31.0, उमरिया में 30.8 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ है।

27 जून को भोपाल आएंगे PM मोदी, प्रदेश को देंगे ये बड़ी सौगात



भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में पांच माह का समय बचा है। इससे पहले भाजपा के केंद्रीय मंत्रियों के दौरा शुरू हो गए हैं। रक्षा मंत्री राजनथ सिंह के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जून को भोपाल आ रहे हैं। वह

तारीख को भोपाल आ रहे हैं। प्रधानमंत्री भारतीय जनता पार्टी के देशभर के डिजिटल रैली के लिए चर्चावित वाई हमार लोगों को संबोधित करेंगे। वहीं इसका सीधा प्रसारण देर के दस लाख व्यू पर होगा। वीडो शर्मा ने कहा कि हमारे 64 हजार 100 व्यू पर हर कार्यकर्ता, वृथ अथवश से वृथ समिति और लेकर पत्रा प्रमुख से लेकर पत्रा समिति, जो हमारा वृथ का नेटवर्क है उन सबको संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 38 लाख कार्यकर्ता सभ्य प्रदेश के डिजिटल एंगरोरुह है, जो उस रैली में शामिल होंगे।

सतपुड़ा भवन अग्निकांड की विस्तृत जांच रिपोर्ट 15 दिन में देगी समिति, तय होगी जिम्मेदारी

रिपोर्ट के बाद ही इस हिस्से में आफिस संचालित करने को लेकर निर्णय लिया जाएगा भोपाल। सतपुड़ा भवन अग्निकांड की जांच कर रही उच्च स्तरीय समिति अपनी विस्तृत रिपोर्ट 15 दिन में तैयार करेगी। सामान्य प्रशासन विभाग को तफ़ से सुधवार को समिति गठन का आदेश जारी किया गया। समिति आग लगने का कारण, उससे हुई क्षति का आकलन करेगी। साथ ही आग लगने की घटना के लिए जिम्मेदारी तय करने की अनुसंधान करेगी। इसके अलावा जांच में आग लगने से भवन को हुई क्षति का भी आकलन किया जाएगा। समिति भविष्य में इस तरह की घटना ना हो इसके लिए भी अपने सुझाव देगी।

विभाग के करीब 400 लोगों के स्टॉफ के बैठने के लिए हेथथ कार्यालय, भोपाल चौपुएरचओ की नई बिल्डिंग में व्यवस्था की गई है। अधिकारियों के अनुसार यहां पर कर्मचारियों के बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इसके लिए अब स्वास्थ्य विभाग संचालनालय के संचालन के लिए नई जगह की तलाश कर रहा है। इसके लिए वन भवन और वीएसएसएमएनल की बिल्डिंग को अधिकारियों ने देखा है। विभाग को कमरी 30 हजार वर्ग फुट का संसे चाहिए। बता दें,

गंगा जमना स्कूल मामला-स्कूल में अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाने के निर्देश, जीएसटी टीम ने पकड़ी 78 लाख की टैक्स चोरी

भोपाल। मध्यप्रदेश के दमोह जिले के गंगा जमना स्कूल में हिजाज और कवर्जन के बाद फर्म पर टैक्स चोरी का आरोप लगा है। जीएसटी अधिकारियों की टीम ने देर रात छापेमार करवाई की। सुह-आती जांच में 78 लाख रुपय की टैक्स चोरी पाई गई है। टैंगुणा, हडवेणर, कण्ठ और दाली के लेनदेन सहित कई व्यापार में की टैक्स चोरी हुई थी। अधिकारियों का कहना है कि जांच अभी जारी है। टैक्स चोरी का आंकड़ा बढ़ सकता है।



स्कूल में बुलडोजर चलाने के निर्देश सरकार ने गंगा जमना स्कूल को अवैध निर्माण बताते हुए बुलडोजर चलाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यांत्री शिवराज सिंह चौहान से चर्चा के बाद गुडमंत्रो नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि आज दमोह के गंगा जमना स्कूल पर बुलडोजर चलेगा। जांच में प्रथम दृष्टया रिपोर्ट में निर्माण अवैध है। स्कूल का एक हिस्सा अवैध निर्माण करके बनाया गया है। स्कूल के संचालकों को भी नहीं छोड़ा जाएगा।

आरोपियों की तलाश में पुलिस इसके साथ ही पुलिस की टीम गंगा

जमना स्कूल के प्रबंधक और संचालकों के ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस इतरीस सहित अन्य आरोपियों की तलाश में चूटी है।

छापा मारा. फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तलाश की जा रही है। पुलिस इतरीस सहित अन्य आरोपियों की तलाश में चूटी है।

संघ स्वयंसेवक के हत्या में 3 मुस्लिम महिलाएं गिरफ्तार



खंडवा। बहर में लगभग 3 साल पहले हुए संघ स्वयंसेवक राजेश फूलमाली की नृशंस हत्या के मामले में फरार 3 महिला आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बता दें की 3 साल पहले 18 मई 2020 को स्वयंसेवक राजेश फूलमाली द्वारा मुस्लिम युवकों द्वारा किए गए एक आपत्तिजनक पोस्टर की पुलिस शिकायत से बौध्दालाकर हाथला - दीपला गांव में मुस्लिमों की भीड़ द्वारा राजेश फूलमाली की नृशंस हत्या कर दी गई थी।

पुलिस ने इस मामले में सरदार, सलतमान, शाही, अरमान, शाकिर, आसिफ, अयुल, अमीन, बरकत, वहीद, सोनु, सलतमान, सादिक, इराफद, परवेस, बुधुप सिंह 26 लोगों को आरोपी बताया था। हर बाब हत्याकांड में 15 आरोपियों की तलाश एवं 8 की बाद में गिरफ्तारी की गई थी। लेकिन इस प्रकरण को 3 और महिला आरोपी लम्बे समय से फरार चल रही थीं। पुलिस को चक्रमाट दे रही थी। इन तीनों में 2 मुस्लिम और 1 हिन्दू हैं। जस्टर ही राजेश फूलमाली हत्याकांड में न्यायकारण अन्तान निर्णय सुनाएगा।

मिलने पर पुलिस की 10 टीमों ने 3 महिला आरोपी जमीला, शायरा और मेहजबिन को खंडवा के ही खानरहावली से गिरफ्तार किया। तीनों महिला आरोपी लम्बे समय से पुलिस को चक्रमाट दे रही थीं। हर बाब हत्याकांड में 15 आरोपियों की तलाश एवं 8 की बाद में गिरफ्तारी की गई थी। लेकिन इस प्रकरण को 3 और महिला आरोपी लम्बे समय से फरार चल रही थीं। पुलिस को चक्रमाट दे रही थी। इन तीनों में 2 मुस्लिम और 1 हिन्दू हैं। जस्टर ही राजेश फूलमाली हत्याकांड में न्यायकारण अन्तान निर्णय सुनाएगा।

नई जेल होगी आधुनिक : दमोह में बनी अंग्रेजों के जमाने की जेल 161 करोड़ रुपये में बिकी

भोपाल। मध्यप्रदेश के दमोह में बनी अंग्रेजी शासन की जिला जेल को सरकार ने 161 करोड़ रुपये में बेच दिया है। पुरानी जेल अब शहर से बाहर स्थित होगी। इसे जवल्पुर जॉइंटस मॉर्ग पर वरपटी पहाड़ी पर मॉडल कंस्ट्रिज के सामने 25 एकड़ जमीन पर शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए राजस्व विभाग ने 25 एकड़ जमीन खरीद विभाग को नई जेल बनाने के लिए हार्डसिंग बोर्ड की ओर से टेंडर जारी किया गया था। इसकी टेंडर प्रक्रिया चल रही है।

से रुकी हुई थी। जबकि टेंडर के लिए तीन फर्म सामने आई थीं। उनमें एक योगेश एंड कंपनी भोपाल ने 161 करोड़ और जवल्पुर की फर्म समरटिया ने 151 करोड़ रुपये का टेंडर डाला था। इसके अलावा एक अलाव फर्म भी इसमें शामिल हुई थी। इसी तल्लितलेने में आठ जून को टेंडर खोले गए। भोपाल की योगेश एंड कंपनी ने सबसे ज्यादा बोली लगाई। इसके बाद सबसे ज्यादा टंड डालने वाली भोपाल की योगेश एंड कंपनी को 161 करोड़ रुपये में जेल सौंप दी गई। सर्व के मुताबिक, टेंडर लेने

होए, लोकेशनल ड्रैगिंग सेंटर, महिला और पुरुष कैदियों के लिए अलग-अलग क्वॉरंटर, वीपी रुम और लाइव्री जैसी सुविधाएं होंगी। इसके अलावा, करीब 300 सोरर सभाकक्ष, 20 मीटर ऊंचे वॉल टॉवर और ओपन जेल जैसी व्यवस्थाएं भी रहेंगी। 76 स्टॉफ आवस, बच्चों को गाइड

नई जेल के साथ अधिकारी-कर्मचारियों के लिए 76 नए आवास इनिमेंटों के ई-टाइप कांटर, चार एक टाइप, 20 जी टाइप, 48

एच टाइप और दो आई टाइप आवास बनाए जाएंगे। मध्यप्रदेश हार्डसिंग बोर्ड के महाप्रबंधक एमके खरे ने बताया कि टेंडर लेने वाली एजेंसी तकरीबन 82 करोड़ रुपये की राशि से नई जेल की बिल्डिंग बनाएगी। बाकी राशि शासन के खाते में जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पुरानी जेल 12 एकड़ में फैली है, इसमें 333 कैदी रखे जा सकते हैं। लेकिन जो नई जेल बन रही है, उसमें एक साथ 700 कैदी रखे जा सकेंगे। इस जेल में लगेलेन पर जा रहे हैं।

एच टाइप और दो आई टाइप आवास बनाए जाएंगे। मध्यप्रदेश हार्डसिंग बोर्ड के महाप्रबंधक एमके खरे ने बताया कि टेंडर लेने वाली एजेंसी तकरीबन 82 करोड़ रुपये की राशि से नई जेल की बिल्डिंग बनाएगी। बाकी राशि शासन के खाते में जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पुरानी जेल 12 एकड़ में फैली है, इसमें 333 कैदी रखे जा सकते हैं। लेकिन जो नई जेल बन रही है, उसमें एक साथ 700 कैदी रखे जा सकेंगे। इस जेल में लगेलेन पर जा रहे हैं।

नई जेल में होगी ये सुविधाएं

